

INHALT

| | |
|---|-----|
| Einleitung | 4 |
| Luzie war wütend! | 9 |
| Reineldis Regenschirm | 13 |
| Der Anruf | 21 |
| Was genau ist ein Hospiz? | 33 |
| Das Heiligen-Geist-Hospital | 43 |
| Im Hospiz St. Josef | 53 |
| Im Zimmer von Herrn Jannsen | 65 |
| Frederik | 73 |
| Die ganze Geschichte | 81 |
| Der Schlachtplan | 89 |
| Im Puppentheater | 101 |
| Vier Freunde in der Nacht | 117 |
| Viel Kummer an einem Morgen | 131 |
| Katastrophe | 147 |
| Benjamin Federleicht | 155 |
| Irgendwie geht es doch weiter | 173 |
| Wenn einer eine Reise tut, dann kann er was erleben | 185 |
| Im Haus Proteus Silberstahl | 195 |
| Der Mann von der Seemannsmission | 205 |
| Hula-Hoop | 223 |
| Seeblockade | 253 |
| Abschied und eine Kur | 261 |
| Danksagung | 278 |